भारतीय इतिहास में किलों की प्रथम खोज कब हुयी थी

भारत के कला और संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण है यहाँ भारत के किले (Forts Of India) को विस्तृति रूप से परिभाषित किया गया है जिसमे बताया गया है कि किलों को 3 कालखण्डों में परिभाषित किया है जोकि निम्नलिखित हैं |

भारतीय किलों का कालखण्ड:-

भारत के इतिहास में किले 3 कालखण्डों में बनाये गये है

1- प्राचीन काल
2- मध्य काल
3- आधुनिक काल

इन तीनों काल खण्डों में किलों का निर्माण किया गया हैं जिसमें कुछ किलों का निर्माण मुस्लिम शासकों के द्वारा, कुछ किलों का निर्माण हिन्दू शासकों के द्वारा पुर्तगालियों तथा डचों किया गया है, परीक्षा में आये दिन कला और संस्कृति, रक्षात्मक प्रणाली, प्रसाशनिक व्यवस्था तथा भौगौलिक स्थिति किसी न किसी तरह से निबंध लिखने को आ ही जाता है |

किलों की प्रथम खोज :-

प्राचीन काल में हड़प्पा सभ्यता है जिसमें मोहनजोदड़ो, चन्द्रगुप्त मौर्य लोठन, कलीबीरा, में जो नगर मिले है और उनकी किले बंदी की गयी है वह भारत के किलों के बारे प्रथम खोज है इसके बाद गुप्तकाल में, सुल्तानों, मुगलों, पुर्तगालियों के समय में किलों का निर्माण हुआ |

भारत में किलों का प्रकार :-

कौटिल्य ने भारत में 6 प्रकार के किलों का वर्णन किया गया है |

1- जल दुर्ग
2- धन्वन दुर्ग
3- गिरी दुर्ग
4- वन दुर्ग
5- माहि दुर्ग
6- नृ-दुर्ग

महत्वपूर्ण किले निम्नलिखित हैं

1- आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के किलों का रक्षात्मक वास्तुशिल्प
2- गोलकोंडा मिला
3- गुजरात के किले विरासत और विद्या के संरक्षक

4- दिल्ली के किले
5- समय के साथ गुंजायमान वेकल, संस्कृति और इतिहास का
6- वेल्लोर कोला दक्षिण भारत की महान छवनी
7- मध्यकालीन बंदरगाह और किल, जिससे भारत के बंदरगाह सुरक्षित हैं

कौटिल्य ने कितने प्रकार के किलों का वर्णन किया है?

भारत में 6 प्रकार के किलों का वर्णन किया है जोकि इस प्रकार हैं जल दुर्ग, धन्वन दुर्ग, गिरी दुर्ग, वन दुर्ग, माहि दुर्ग नृ-दुर्ग हैं |

नृ-दुर्ग का क्या मतलब होता है?

जो दुर्ग मनुष्य द्वारा निर्मित किये गये हैं उन्हें नृ-दुर्ग कहा जाता है |